खिलवाड़ मथुरा-वृंदावन यात्रा से लौटे बुजुर्ग यात्रियों ने खोली कुप्रबंधन की पोल

सीएम तीर्थ दर्शन योजना में श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़?

नवभारत, जबलपुर। मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। बालाघाट से मथुरा-वृंदावन दर्शन के लिए भेजे गए श्रद्धालुओं ने यात्रा से लौटने के बाद अव्यवस्थाओं, लापरवाही और बुजुर्ग यात्रियों की अनदेखी के गंभीर आरोप लगाए हैं। यात्रियों का कहना है कि योजना का उद्देश्य बुजुर्गों को5 सम्मानपूर्वक तीर्थ दर्शन कराना है, लेकिन जमीनी स्तर पर आईआरसीटीसी और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता ने पूरी यात्रा का अनुभव कष्टदायक बना दिया।

श्रद्धालुओं के अनुसार ट्रेन यात्रा तो किसी तरह ठीक रही, लेकिन मथुरा पहुंचने के बाद व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गईं। तीर्थ यात्रियों का आरोप है की बसों ने यात्रियों को उनके ठहरने के स्थान से लगभग तीन किलोमीटर

पहले ही उतार दिया, जबकि अधिकांश यात्री वृद्ध थे और उनके पास सामान भी था,ऐसे में तेज गर्मी और भीड़ के बीच बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों को लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ी।

यात्रियों ने आपबीती बताते हुए कहा की जब उन्होंने सहायता के लिए अधिकारियों और लॉज प्रबंधन से संपर्क करने की कोशिश की, तो फोन तक नहीं उठाए गए, न कोई मार्गदर्शन मिला और न ही किसी कर्मचारी ने यात्रियों को उनके ठहरने के स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाई। कई श्रद्धालुओं को ऑटो और निजी साधनों का सहारा लेकर भटकते हुए होटल और स्टेशन तक पहुंचना पड़ा।

योजना के उद्देश्य पर उठे सवाल?

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और बुजुर्ग नागरिकों को सम्मानजनक, सुरक्षित और सुविधाजनक तीर्थ यात्रा उपलब्ध कराना है। लेकिन यात्रियों के कड़वे अनुभव ने यह सवाल खड़ा कर दिया है की क्या संबंधित एजेंसियां केवल यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेती हैं?

इनका कहना है

योजना की पहले काफी प्रशंसा सुनी थी, लेकिन इस बार व्यवस्थाओं ने पूरी छवि खराब कर दी। सरकार बुजुर्गों को दर्शन कराने भेजती है या उन्हें भटकाने?

माधव सराठे
तीर्थ यात्री

यात्रा के दौरान बुजुर्ग महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हुई। उन्हें यह तक नहीं बताया गया कि लॉज किस दिशा में है। साथी महिलाओं के साथ सड़क पर काफी देर तक खड़े रहे।

मीनू रैकवार
तीर्थ यात्री

ट्रेन में सब ठीक था, इसलिए लगा की आगे भी अच्छी व्यवस्था मिलेगी। लेकिन मथुरा में न बस की सही व्यवस्था थी, न होटल तक पहुंचाने का इंतजाम।

अशोक कुमार सोनी
तीर्थ यात्री

घुटनों में दर्द की समस्या के बावजूद मजबूरी में लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ी।हम जैसे बुजुर्गों के लिए यह यात्रा बहुत कठिन हो गई। कोई व्हीलचेयर नहीं, कोई वाहन नहीं और कोई सहायक भी नहीं था।

सरोजनी सराठे
तीर्थ यात्री

पुराने मकान का छज्जा गिरने से दुकान का कर्मचारी घायल

जबलपुर। शहर में लगातार हो रही बारिश के बीच कोतवाली थाना अंतर्गत आने वाले मिलौनीगंज में मंगलवार दोपहर एक पुराने जर्जर मकान का छज्जा अचानक भरभरा कर नीचे गिर गया। इस हादसे की चपेट में आने से पास ही स्थित समोसे की दुकान पर काम करने वाला एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद दहशत और अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। कोतवाली थाना प्रभारी मानस द्विवेदी से मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12:30 बजे मिलौनीगंज स्थित राजा रसगुल्ला के समीप स्थित एक पुराने मकान का छज्जा अचानक ढह गया। छज्जे का भारी-भरकम मलबा ठीक नीचे लगी समोसे की दुकान पर गिरा, जिससे वहां काम कर रहा कर्मचारी उसकी चपेट में आ गया। अचानक जोरदार आवाज के साथ छज्जा गिरने से

आसपास के व्यापारी और राहगीर सहम गए। मौके पर तुरंत लोगों की भीड़ जमा हो गई। नागरिकों की मदद से घायल कर्मचारी को मलबे से निकालकर तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

20 दिन पहले जमींदोज हुई थी बिल्डिंग

गौरतलब है कि कोतवाली थाना क्षेत्र के भीतर ही बीते 7 जुलाई को भी एक बड़ा हादसा हो चुका है। तब सबसे व्यस्त और व्यावसायिक इलाके बड़ा फुहारा में बिल्डिंग अचानक पूरी तरह जमींदोज हो गई थी। लगातार दो हादसों ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और इमारतों की स्थिति पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। बारिश के इस सीजन में एक के बाद एक हो रहे इन हादसों ने जिम्मेदारों के के दावों की पोल खोल कर रख दी है। मानसून से पहले जर्जर और खतरनाक घोषित की जाने वाली इमारतों पर समय रहते कार्रवाई न करने का खामियाजा अब आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। व्यापारिक और रिहाइशी इलाकों में आज भी कई जर्जर भवन मौत का साया बनकर खड़े हैं।

एक नजर में

गूगल पर सर्च किया डॉक्टर का नंबर, खाते से उड़े एक लाख

नवभारत,जबलपुर । संजीवनी नगर थाना अंतर्गत यादव कॉलोनी निवासी एक महिला को गूगल से डॉक्टर का नंबर सर्च करना महंगा पड़ गया । साइबर ठग के जाल में फंसकर वाट्सएप पर लिंक के जरिए ऑनलाइन फार्म भरते ही खाते से एक लाख रूपए उड़ गए। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक वर्षा जैन 45 वर्ष निवासी राजुल सिटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह यादव कॉलोनी में कॉस्मेटिक्स की दुकान चलाती है, उसका बैंक ऑफ इंडिया की लेबर चौक शाखा में एकाउंट है, उसने अपने मोबाईल से डॉक्टर अजय सेठ का नंबर गूगल से सर्च कर अपने मोबाईल नंबर से कॉल करने पर उसे आनलाईन फार्म भरने बोला गया एवं उसके वाट्सएप पर एक लिंक भेजी, लिंक को ओपन करके फार्म भरा था जिसमें उसने अपने बेटे का नाम, उम्र, मोबाईल नंबर भरा था, इस बीच बैंक एकाउंट से छ:ट्रांजेक्शन में कुल 99000 रूपए रुपए आहरण कर लिए है।

टाईम पूछा, घड़ी देखते ही झपट लिया मोबाइल

नवभारत,जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत गणेशगंज में एक लुटेरे ने पहले तो ड्राइवर से टाईम पूछा जैसे ही उसने घड़ी देखी तो झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीनकर भाग गया। पुलिस के मुताबिक राजेश चौधरी 38 वर्ष निवासी गणेशगंज रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ड्रायवरी करता है वह किशन होटल के पास अपना आटो खडा किया तभी एक अज्ञात लड़का उसके पास आकर उससे टाईम पूछा वह जैसे ही घड़ी देखने लगा तभी अचानक उक्त लड़के ने उसकी शर्ट के सामने की जेब में से मोबाइल झपटकर भाग गया। उसने लड़के का पीछा किया लेनिक तेजी से भाग गया।

980 रुपये के साइबर फ्रॉड पर 2 .51 करोड़ का बैंक खाता फ्रीज नहीं कर सकते

हाईकोर्ट ने जारी किये अहम दिशा-निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने साइबर फ्रॉड मामलों में बैंक खाते फ्रीज करने की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि यदि विवादित राशि स्पष्ट रूप से चिन्हित हो तो पूरे बैंक खाते को फ्रीज करना उचित नहीं है। जांच एजेंसियां यथासंभव केवल संदिग्ध राशि पर लियन या डेबिट फ्रीज लगाएं। पूरे खाते को फ्रीज करना केवल असाधारण परिस्थितियों में ही किया जा सकता है और उसके लिए कारण दर्ज करना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने भोपाल निवासी अर्चना शिवहरे की याचिका पर दी। याचिकाकर्ता नर्मदापुरम में सात कंपोजिट शराब दुकानों की लाइसेंसधारी हैं। उनके चालू खाते में 2.51 करोड़ से अधिक राशि थी, जबकि साइबर फ्राड से जुड़ा संदिग्ध ट्रांजेक्शन महज 980 रूपये का था। इसके बावजूद बैंक ने पूरा खाता फ्रीज कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता ऐश्वर्य साहू ने तर्क दिया कि जांच के लिए केवल विवादित राशि सुरक्षित रखी जाए और शेष राशि के संचालन की अनुमति दी जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि बैंक केवल आदेश का पालन करने वाली संस्था नहीं हैं, बल्कि शिकायत निवारण प्रक्रिया का पहला माध्यम भी हैं। बैंक खाताधारक को फ्रीजिंग का कारण और उपलब्ध शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी देंगे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि शिकायत सात दिन में पोर्टल पर अपलोड हो, जांच अधिकारी 15 दिन में निर्णय दें और शिकायत स्वीकार होने पर बैंक 48 घंटे के भीतर खाता चालू करे। राज्य सरकार को आदेश की प्रति सभी बैंकों, पुलिस थानों और साइबर क्राइम इकाइयों को भेजकर पूरे प्रदेश में इन दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

नियम विरुद्ध संचालित दो दुकानें-एक कमर्शियल बिल्डिंग सील

निगमायुक्त के निर्देश पर निगम अमले की कार्रवाई

नवभारत,जबलपुर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने 80 आवेदकों के आवेदन पत्र पर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान निगम के कॉलोनी सेल, अतिक्रमण शाखा, संपदा शाखा,तथा स्वच्छता व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ एवं जन-सुलभ बनाने की दिशा में आवेदन प्राप्त हुए जिस पर त्वरित कार्रवाई की गई। जानकारी के

अनुसार जनसुनवाई के मात्र 2 घंटे के बाद ही सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड नेहरू नगर के अंतर्गत बिना अनुमति एवं नियम विरुद्ध संचालित दो दुकानों और एक कमर्शियल बिल्डिंग को तत्काल प्रभाव से सील करने की दंडात्मक कार्रवाई की गई। निगमायुक्त के सख्त निर्देशों के अनुक्रम में यह प्रभावी कार्रवाई बाजार, अतिक्रमण, भवन शाखा एवं अग्निशमन विभाग के संयुक्त दल द्वारा संपादित की गई। उक्त कार्रवाई के दौरान अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, सौरभ मिश्रा, अग्निशमन दल से फायर अधीक्षक कुशाग्र एवं राजेंद्र पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विभागीय अधिकारियों को समाधान के निर्देश

जनसुनवाई के दौरान सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था एवं राजस्व से संबंधित विभिन्न प्रकरणों की सुनवाई करते हुए निगमायुक्त द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर चांडाल भाटा क्षेत्र से आए नागरिकों की समस्याओं को भी प्रमुखता से संज्ञान में लिया गया तथा निगम द्वारा आश्वस्त किया गया कि उक्त क्षेत्र की नागरिक समस्याओं का शीघ्र ही त्वरित एवं स्थायी समाधान किया जाएगा।

बिजली कंपनियों में संविदा कर्मियों को बिना परीक्षा नियमित करने की मांग

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन ने बिजली कंपनियों में वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को बिना किसी दोबारा परीक्षा के सीधे नियमित नियुक्ति देने के लिए सरकार के समक्ष अपनी बात रखी है। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को पत्र भेजकर इस नीति पर पुनर्विचार करने का पुरजोर आग्रह किया है।

पाठक का तर्क है कि ये सभी कर्मचारी पहले ही विधिवत प्रतियोगी परीक्षा और कड़े चयन दिशानिर्देशों के तहत पास होकर नियुक्त हुए हैं, इसलिए इतने लंबे समय की सेवा के बाद उनसे दोबारा परीक्षा लेना उनके अनुभव और संवेदनशीलता के खिलाफ होगा।

इसके अलावा जो कर्मचारी अपने गृह क्षेत्र से दूर दूसरी बिजली कंपनियों में सालों से सेवाएं दे रहे हैं, उन्हें सहानुभूतिपूर्वक विचार कर उनकी पसंद की कंपनी में ट्रांसफर के साथ नियुक्ति दी जानी चाहिए ताकि वे अपने गृह नगर लौट सकें।

50 प्रतिशत आरक्षण देने की उठाई आवाज

फेडरेशन ने नई नियुक्तियों के लिए तय किए गए न्यूनतम अंकों को बहुत अधिक बताते हुए इनमें तत्काल संशोधन करने का सुझाव दिया है। मांग की गई है कि अनारक्षित वर्ग के लिए कुल न्यूनतम अंक 50 और आरक्षित वर्ग के लिए 40 अंक निर्धारित किए जाएं ताकि अनुभवी कर्मचारी इस प्रक्रिया में सफल हो सकें। इसके साथ ही वर्ष 2013 की नियमित भर्ती परीक्षा पास कर प्रतीक्षा सूची में बचे हुए लगभग 650 कर्मचारियों को भी बिना किसी देरी के सीधे नियमित किया जाए।

पत्र में यह भी रेखांकित किया गया है कि पिछले 15 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें नवीन भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाए और संविदा कर्मियों की नियमित नियुक्ति से खाली होने वाले सभी पदों पर इन अनुभवी आउटसोर्स कर्मियों को ही प्राथमिकता देकर समायोजित किया जाए।

पति-पत्नी को पीटा

नवभारत, जबलपुर। सिहोरा थाना अंतर्गत नया बस स्टैंड में मजदूरी के बकाया पैसों के विवाद को लेकर दंपति की पिटाई कर दी गई। पुलिस के अनुसार, नया बस स्टैंड निवासी प्रकाश राजपूत और उनकी पत्नी को उनके मोहल्ले का ही गोलू चौहान मजदूरी के काम पर ले गया था। काम पूरा होने के बाद भी मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया था, जिसे लेकर विवाद की स्थिति बनी। मंगलवार सुबह जब प्रकाश एक चाय की दुकान पर थे, तब गोलू चौहान वहां पहुंचा। पैसों की मांग को लेकर शुरू हुई बहस जल्द ही विवाद में बदल गई। विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट शुरू कर दी। प्रकाश की पत्नी अपने पति को बचाने के लिए आईं, तो उसके साथ भी मारपीट कर दी।

होटल में कमरा नहीं मिलने से भड़का गैंगस्टर छोटू गैंग का गुर्गा

मैनेजर पर की 3 राउंड हवाई फायरिंग

नवभारत, जबलपुर । लार्डगंज थाना अंतर्गत रानीताल चौक फ्लाईओवर के नीचे बीती रात होटल में कमरा उपलब्ध न होने की बात पर भड़के गैंगस्टर छोटू चौबे का गुर्गा ने अपने साथी के साथ मिलकर क होटल मैनेजर को डराने के उद्देश्य से तीन राउंड हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाते हुए फरार हो गया।

लार्डगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रानीताल गेट नंबर 1 के रहने वाले शिवम अग्रवाल राइट टाउन स्थित एक होटल में मैनेजर हैं। कुनाल पटेल होटल पहुंचा था और एक लग्जरी कमरे की मांग करने लगा। मैनेजर शिवम ने उसे बताया कि सभी कमरे पहले से बुक हो चुके हैं। इस बात पर कुनाल अड़ गया और हर हाल में कमरा देने का दबाव बनाने लगा। उसने मैनेजर को धमकी देते हुए कहा कि वह गैंगस्टर छोटू गैंग का सक्रिय सदस्य है और देख लेने की बात कहकर वहां से चला गया। विवाद के बाद, बीती रात जब होटल मैनेजर शिवम अग्रवाल अपनी ड्यूटी खत्म करके होटल से

घर लौट रहा था तभी रानीताल चौक फ्लाईओवर के नीचे कुनाल पटेल अपने साथी सनी के साथ मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा। दोनों ने मैनेजर का रास्ता रोक लिया। कुनाल पटेल ने शिवम को देखते ही कमरा न देने की बात पर नाराजगी जताई। इसके बाद आरोपी ने पिस्टल निकाली और हवाई फायर कर दिए। सरेराह हुई इस फायरिंग से सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके पर दहशत फैलाते हुए फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित मैनेजर ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिवम अग्रवाल की रिपोर्ट पर कुनाल पटेल और उसके साथी सनी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित समाधान में ननि ने मारी बाजी

नगरीय प्रशासन एवं विकास ने दिया ए ग्रेड

नवभारत,जबलपुर। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण में नगर पालिक निगम जबलपुर ने प्रदेश भर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सीएम हैल्पलाइन 181 पर दर्ज शिकायतों के समाधान के

नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश शासन

प्रशंसा-पत्र

मामले में जबलपुर नगर निगम को राज्य स्तर पर ए-ग्रेड प्राप्त हुआ है।

माह जून 2026 में नगर निगमों की श्रेणी के अंतर्गत जबलपुर नगर निगम ने 99.25ज्ञ वेटेज स्कोर हासिल कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्य प्रदेश शासन के आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा इस सफलता पर जबलपुर नगर निगम को आधिकारिक प्रशंसा-पत्र जारी किया गया है। शासन द्वारा निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार सहित नगर निगम जबलपुर की पूरी टीम, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निष्ठा और व्यक्तिगत रुचि लेकर जनसमस्याओं को सुलझाने के प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की गई है।

जहां चल रहा था नशे से दूरी का अभियान वहां बिकने वाली थी शराब

नवभारत, जबलपुर। ग्वारीघाट में मंगलवार को नशे से दूरी है जरूरी अभियान चल रहा था। पुलिस जागरूकता फैला रही थी तभी सूचना मिली कि दो भाई अवैध शराब का कारोबार कर रहे है और शराब बेचने की तैयारी में है। पुलिस ने सूचना पर तुरंत एक्शन लेते हुए दो तस्कर भाईयों को दबोच लिया। जिनके कब्जे से 9 कार्टून में 440 पाव देशी शराब जप्त की गई। जानकारी के अनुसार सोमवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 सुश्री पल्लवी शुक्ला, एवं नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर एम.डी. नागोतिया द्वारा नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम कर ग्वारीघाट क्षेत्र में लोगों को जागरूक किया जा रहा था जहॉ मुखबिर से सूचना मिली कि ग्वारीघाट अंतर्गत राज यादव एवं विशाल यादव दोनो ंसगे भाई है जो शराब का अवैध व्यापार करते है जो घर में अधिक मात्रा मे विक्रय करने के लिए अवैध शराब रखे है। सूचना पर विशाल यादव एवं राज यादव के घर में दबिश दी जहां से दोनों को दबोचा गया।

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी का विखंडन वापस ले सरकार

- कांग्रेस पदाधिकारियों ने उठाई आवाज
- संभागीय उपायुक्त को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत,जबलपुर। मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रस्तावित विखंडन के विरोध में मंगलवार को मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम कांग्रेस के पदाधिकारियों ने संभागीय उपायुक्त दिव्या अवस्थी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विश्वविद्यालय को यथावत जबलपुर में बनाए रखने और उसकी प्रशासनिक एवं शैक्षणिक क्षमता को और अधिक सुदृढ़ करने की मांग की गई।

इस मौके पर कांग्रेस पदाधिकरियों ने कहा कि जबलपुर

को वर्ष 2011 में मिली यह अभूतपूर्व उपलब्धि किसी भी स्थिति में छीनी नहीं जानी चाहिए। विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं वर्तमान स्वरूप यथावत रखा जाए और प्रदेश की चिकित्सा शिक्षा के हितों को सर्वोपरि मानते हुए विखंडन संबंधी प्रस्ताव तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही कांग्रेसियो ने कहा कि यदि शासन को प्रशासनिक स्तर पर किसी प्रकार की कठिनाई है तो उसका समाधान विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत कर किया जाना चाहिए, न कि उसका विखंडन करके। ज्ञापन के दौरान रिज़वान अली कोटी, बादल पंजवानी, कपिल भोजक, अमित सोनकर, सागर शुक्ला, रिंकू बदलानी, आयुष पहारिया,शफी खान,ज़फर खान, अनुराग शुक्ला, एजाज़ अंसारी, अदील सैय्यद, वक़ार खान, युग ठाकुर आदि उपस्थित थे।

ऑटो चालक को मारा चाकू, मामला दर्ज

नवभारत, जबलपुर। गढ़ा थाना अंतर्गत पचमठा मंदिर सिंगरहा मोहल्ला में सब्जी लेकर घर लौट रहे पुट्टी-पेंट कारीगर शेख फिरोज (37) से पिन्टू सुल्तानी और अंजार नामक बदमाशों ने शराब के लिए 1000 मांगे। पैसे देने से मना करने पर आरोपियों ने चाकू निकाल लिया ।जान बचाने भागे फिरोज को बचाने जब आटो चालक शफीक सामने आया तो पिन्टू सुल्तानी ने चाकू मारकर घायल कर दिया। इसके बाद बीच-बचाव करने आए लखन खत्री की भी आरोपियों ने डंडे से पिटाई कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। गढ़ा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतिक्रमण ठेले, अवैध पार्किंग और अस्थायी कब्जों से पैदल मार्ग बाधित

कई प्रमुख मार्गों के फुटपाथ अतिक्रमण की चपेट में

नवभारत , जबलपुर । शहर में पैदल चलने वालो की सुविधा के लिए बनाए गए फुटपाथ अब धीरे-धीरे अतिक्रमण की चपेट में आते जा रहे हैं। कई प्रमुख मार्गों पर फुटपाथों का उपयोग पैदल चलने के बजाय वाहन खड़े करने, ठेले लगाने और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। इससे राहगीरों को अपनी सुरक्षा जोखिम में डालकर सड़क पर चलना पड़ रहा है। नवभारत टीम को अधारताल स्थित तिवारी मार्केट, बड़े हनुमान मंदिर के सामने भी कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। यहां फुटपाथ पर दोपहिया वाहनों की पार्किंग और खाद्य सामग्री के ठेलों के कारण पैदल मार्ग लगभग अवरुद्ध हो गया है। शाम के समय भीड़ बढ़ने पर स्थिति और नर्म हो जाती है। मंदिर आने वाले श्रद्धालु, स्थानीय निवासी, महिलाएं और बुजुर्ग सड़क से गुजरने को मजबूर दिखाई देते हैं।

इनका कहना है

नियमित रूप से हमारे द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है ।अतिक्रमण हटाने के 24 घंटे पहले उन्हें सूचना दी जाती है , ताकि वह अपने - अपने ठेले , स्टॉल अलग कर लें अन्यथा आपके ऊपर चालान या जब्त कि कार्रवाई की जाएगी ।

अखिलेश सिंह भदौरिया,
अतिक्रमण अधिकारी,
अधारताल क्षेत्र

फुटपाथ और सड़क पर होने वाले अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था प्रभावित ना हो जिसका कार्य वहां की स्थानीय पुलिस द्वारा देखा जाता है । पुलिस द्वारा समय-समय पर नगर निगम के साथ संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने और नो-पार्किंग क्षेत्रों में कार्रवाई की जाती है।

शशि धुर्वे, टी आई,
यातायात